दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 03.04.2025

प्रकाशनार्थ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) नहीं ले सकता शिक्षक का स्थान – प्रो. उमेश प्रसाद यादव

दिनांक 03.04.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के बी.एड विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. उमेश प्रसाद यादव, विभागाध्यक्ष, बी.एड्. विभाग, जवाहर लाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय महराजगंज ने 'शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूक्ष्म–शिक्षण की पाठ योजना में उपादेयता' पर अपना वक्तव्य दिया।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म शिक्षण की शुरुआत 1960 के दशक में, विशेषकर 1963 में, ड्वाइट एलन और उनके सहयोगियों द्वारा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हुई थी। उन्होंने विभिन्न शिक्षण कौशलों, उनके घटकों तथा उनकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिना इनका व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए कोई भी कुशल अध्यापक नहीं बन सकता है। वर्तमान समय में जब ए.आई. तकनीक का प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में प्रारम्भ हो चुका है, लेकिन उसके द्वारा व्यावहारिक, संवेगात्मक, नीति एवं मानवीय मूल्यों का विकास कर पाना संभव नहीं है, इसलिए यह तकनीक कभी भी शिक्षक का विकल्प नहीं हो सकती क्योंकि ए.आई. तकनीक के द्वारा केवल सूचना का सम्प्रेषण ही किया जा सकता है। शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंटर्नशिप कार्यक्रम का अत्यंत ही महत्त्व है, जिसके द्वारा प्रशिक्षु कक्षा एवं विद्यालय प्रबंधन से सम्बन्धित व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पणकर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षु प्रद्युम्न दूबे एवं सरस्वती वंदना अंशिका, हेमा, हर्षिता तथा स्वागत गीत शालू, अंशू, श्वेता द्वारा प्रस्तुत किया गया। **विशिष्ट अतिथि का परिचय विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चन्द्र के द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु बिन्देश्वर तिवारी के द्वारा किया गया।**

इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के द्वारा विभाग का अकादमिक अंकेक्षण किया गया, जिसके अन्तर्गत उन्होंने बी.एड. के प्रशिक्षणर्थियों से प्रतिपुष्टि लिया। इसी क्रम में उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों एवं भौतिक संसाधनों का निरीक्षण किया तथा महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने बी.एड. की पुरातन छात्रा डॉ.पूजा गुप्ता से भी प्रतिपुष्टि प्राप्त की।

इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो०(डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, वरिष्ट प्राध्यापक प्रो०(डॉ.) अरुण कुमार तिवारी, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप कुमार यादव, श्रीमती शालिनी पारिक एवं बी.एड. के समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहे ।

(डॉ. शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क